his question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

No. of Question Paper : **6093**

nique Paper Code : **205504**

G

ame of the Paper : **Paper XVII — Hindi Natak**

ame of the Course : **B.A. (H) Hindi**

emester : **V**

uration : **3 Hours**

Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8+7=15

(क) जागो जागो रे भाई!

सोवत निसि द्यौस गंवाई जागो जागो रे भाई॥
निसि की कौन कहे दिन बीत्यौ काल राति चलि आई।
देखि परत नहिं हित अनहित कछु परे बैरि बस जाई॥
निज उद्धार पंथ नहिं सूझत सीस धुनत पछिताई।
अबहुं चेति, पकरि राखो किन जो कछु बची बड़ाई॥
फिर पछिताए कछु नहीं हवै है रहि जैहो मुंह बाई
जागो जागो रे भाई॥

P.T.O.

(ख) कुछ नहीं, मैं केवल यही कहना चाहती हूँ कि पुरुषों ने स्त्रियों को अपनी पशु-सम्प समझकर उन पर अत्याचार करने का अभ्यास बना लिया है। वह मेरे साथ नहीं चे सकता। यदि तुम मेरी रक्षा नहीं कर सकते, अपने कुल की मर्यादा, नारी का गौ नहीं बचा सकते, तो मुझे बेच भी नहीं सकते हो। हाँ, तुम लोगों को आपत्ति से बच के लिए मैं स्वयं यहाँ से चली जाऊँगी।

(ग) प्रेम का नाम न लो। वह एक पीड़ा थी जो छूट गई। उसकी कसक भी धीरे-धीरे हो जाएगी। राजा, मैं तुम्हें प्यार नहीं करती। मैं तो दर्प से दीप्त तुम्हारी महत्त्वमयी पुरुष-मू की पुजारिन थी, जिसमें पृथ्वी पर अपने पैरों से खड़े रहने की दृढ़ता थी। इस स्वार्थ-मलि कलुष से भरी मूर्ति से मेरा परिचय नहीं। अपने तेज की अग्नि में जो सब कुछ भ कर सकता हो, उस दृढ़ता का आकाश के नक्षत्र कुछ बना-बिगाड़ नहीं सकते। तु आशंका मात्र से दुर्बल-कम्पित और भयभीत हो।

(घ) एक जमाने में ब्रह्मावर्त के आर्यों और इन्द्र ने इनके नगरों को नष्ट किया ... सि इरावती और सरस्वती के तट पर वे जगमगाते नगर वीरान हो गए। उन्हें डर है अब ब्रह्मावर्त के मुनि अपने यज्ञों के नाम पर जंगलों को काट रहे हैं। मिट्टी बह सरस्वती धारा को बन्द कर रही है। इस तरह उनकी बची-खुची खेती ही मटिया हो जाएगी।

2. " 'भारत-दुर्दशा' भारतीय नवजागरण की साहित्यिक अभिव्यक्ति है," इस कथन पर टिप्प कीजिए।

अथवा

"भारत-दुर्दशा" के नाट्य-रूप पर विचार कीजिए।

'ध्रुवस्वामिनी' के आधार पर जयशंकर प्रसाद की नाट्य-कला का विवेचन कीजिए। 15

अथवा

'ध्रुवस्वामिनी' की पात्र-योजना पर विचार कीजिए।

'पहला राजा' की मुख्य समस्या पर विचार कीजिए। 15

अथवा

'श्यामा : एक वैवाहिक विडंबना' में व्यक्त समस्याओं पर विचार कीजिए।

किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 15

(i) 'कोर्ट मार्शल' में व्यक्त जाति-व्यवस्था के रूप पर विचार कीजिए।

(ii) "एक सत्य हरिश्चन्द्र" की कथा-वस्तु का विश्लेषण कीजिए।

(iii) "नेपथ्य-राग" की कथा-वस्तु की समीक्षा कीजिए।

(iv) "मुक्ति का रहस्य" के प्रमुख पात्रों का चरित्रांकन कीजिए।